(५२)

श्रीरामजी

BH 2199

(62)

हकीकत १९९५

(नगीनाबाड़ी)

मिति भादवा सुद १ संवत् १९९५
से
माह विद ६ संवत १९९५ तक

(महाराणा जी श्री भोपालसिंहजी)

पृष्ठ 1 से 128 तक

पोससुद ६ परबाते श्री जी हजुर अपोडीहो श्री अजादर सनकरदा पाद ानदु वोपछहोत मु. जेनगढ़
वदुहता मुडाउजलाकरपोसाकचार नदुईसलोडारी डीताबमुजाजोकर मानरो
२५-१२ गनामरे बेठके बीराजा गामले परबात कोजीमडा आरो मुबादबी

१८३५६ राजामेकमेलामाको डामहुवो पुरे माजी सदुईजदुमे वडारी केसरजगो
धोपछपेडी चारनकर वणा बजा तामजामसवार ले बारेपदार जोधपुर
कोमोनलाल मोरदलायेजी मे बीराजनी मडाका बागपा सवेनारपदार
बडासे तोपती सवार मे मुजपदार बीराजा हाकोजाजोसाबलोग
जीम्यागजारोगु
जीबारहासो माडापरबेठा अदबसरोसुरजडे जो नीकलोसाबले
गागोजी काई परनतज्यादबेसराडो सीडार हुई नीडी सुरटेकहाउस
सेडेरी कानरसमीबमारी तीलमे डोमडाहोपेरे नोपतीसवार बेनी
अपेदार मोटरसवार हुवासाब लोगजी मोटरा मे बेठे पालेचर आया श्री
जी हजुर जी दीबजा मेनाम पेदार बीराजा बाद सुजडु बोबोडी हुई सेआपो
डीहो बीराजा जोसाकयारडा हुई मारपर आतेसमी नटगया बडासा
बमीसारलोहीपनआया सो हर बजातकलेबापरी तदपेनाबजी वपेडी
तरती लालजी गया लबे कर सन्त्री जीपदार) दस्तापोसी करकमरामे बी
राजा टेकनत जतलावन हुई पिान बजा सीज करगया बाद तामजामे

हकीकत रजिस्टर नगीना बाड़ी संवत् 1995

(MMRI Code: BH 2199)

पेज नं. 118

पोस सुद 7 गुरे तारीख 29.12.1939

परबाते श्री जी हजुर अपोड़ी हो चीत्र का दरसण कर छायादान हुवो पछे हाथ मुंडा ऊजला कर पोसाक धारन हुई सलोका री कीताब मुलाएजे कर चा अरोग नाम रे बेठके बीराजया नाम ले परबात को जीमण अरोगया बाद बीराजया मेकमे खास को काम हुवो फेर मालीस हुई बाद मोठड़ा रो केस अंगोछो पछेवड़ी धारन कर पुणा इगयारा बजया तामजाम सवार वे बारे पदारया जोदपुर को मोनलाल मोटर लायो जीमे बीराज ढीमड़ा का बाग पास वे नारे पदारया वठा से नोपती सवार वे मुल पदार बीराजया हाको आयो साब लोग भी लार हा सो माडा पर बेठा अदवेसरो सूर भेडलो नीकलयो जीमण अरोगया साब लोग गोली बाई परनत अदवेसरा की सीकार हुई नही सूर एक हाऊस सेकेटरी कानर समीथ मारो तोल मे सेर 6 मण हो फेर नोपती सवार वे नीचे पदार मोटर सवार हुवा साब लोग भी मोटरा मे बेठ पाल पर आया श्री जी हजुर भी दो बजया मेला मे पदार बीराजया बाद सुख हुवो थोड़ी देर से अपोड़ी हो बीराजया पोसाक धारण हुई चार पर चालीस मीनट गया बड़ा साब मीसटर लोदीयन आया सो दरवाजा तक लेवा परोत देवनाथ जी व पंडीत रतीलाल जी गया लंबे फरस श्री जी पदारया दसतापोसी कर कमरा मे बीराजया ऐकनत बतलावन हुई पांच बजया सीख कर गया बाद तामजाम.....